नैक द्वारा 'बी' ग्रेड प्रत्यायित

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़- गोरखपुर

मो. : 7897475917, 9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : .....

दिनांक : 05.09.2018

प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़, में आयोजित शिक्षक दिवस सामारोह में बोलते हुए भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी ने कहा कि स्वतंत्र भारत के पहले उपराष्ट्रपति तथा दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। डॉ. राधा कृष्णन ने अपने जीवन के 40 वर्ष तक एक शिक्षक के रूप में कार्य किया। शिक्षा के क्षेत्र में उनको एक आदर्श शिक्षक के रूप में हमेशा याद किया जाता है। डॉ. राधा कृष्णन मानते थे कि सम्पूर्ण विश्व एक विद्यालय है यदि शिक्षा सही प्रकार से दी जाए तो समाज से अनेक बुराइयों को मिटाया जा सकता है। डॉ. राधा कृष्णन बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे, उनमे विद्वान, शिक्षक, वक्ता, प्रशासक, राजनायिक, देशभक्त और शिक्षाशास्त्री को देखा जा सकता है। भाषण कला, शिक्षा और दर्शन के क्षेत्र में उनकी विद्वता के वजह से विश्व के विभिन्न देशों में भारतीय तथा पाश्चात्य दर्शन पर भाषण देने के लिए उन्हे आमंत्रित किया जाता था। डॉ. राधाकृष्णन, विवेकानन्द और वीर सावरकर को अपना आदर्श मानते थे। उन्होने अपने जीवन में अध्यापक से राष्ट्रपति तक का सफर तय किया उन्हे शिक्षा व राजनीति में अमूल्य योगदान देने के लिए भारत रत्न जैसे सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान से सम्मनित किया गया।

शिक्षक दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में शिक्षक संघ के अनौपचारिक बैठक का आयोजन शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता द्वारा किया जिसमें शिक्षक आचार संहिता के विभिन्न पहलुओं पर आत्मालोकन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. आरती सिंह, डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. अभिषेक वर्मा, सुश्री नूपूर शर्मा, श्री मृत्युंजय सिंह, श्रीमती कविता मन्ध्यान्, डॉ. आर. एन. सिंह सहित शिक्षक विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

(डॉ. राजेश शुक्ला)

सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी